अकबर की राजपुत नीति

Ashish kumar Thakur
B.A. II, paper II [History, (S)]
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

अकबर के राजपुतों के साथ चार तत्वों पर आधारित थे।

(i) सम्मानपूर्ण और बराबरी के व्यवहार पर आधारित प्रबुद्ध स्वार्थ था।

(ii) प्रतिभा को मान्यता देकर

iii) न्याय

(iv) ईमानदारी

सबसे पहले 1562 ई० में अकबर के अजमेर यात्रा के दौरान आमेर के कच्छवाहा राजपुत ने भारमल ने अपनी पुत्री जोधा बाई का विवाह अकबर से किया।

भारमल का पुत्र भगवानदास अपनी बहन को पहुँचाने आगरा आया था, जहाँ उसके युवा पुत्र मानसिंह को अकबर ने शाही सेवा मे स्थान दिया।

बाद मे जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर आदि राज्यों के राजपुतों ने भी अकबर के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किए।

अकबर ने राजपुतों के साथ संबंध तीन प्रकार से थे :-

(i) स्वैच्छिक समर्पण एंव विवाह के आधार पर जैसे आमेर के राजपुत।

(ii) गौरवपूर्ण मुकाबला के बाद ससम्मान शाही सेवा मे प्रवेश जैसे रणथम्भौर और मेड़ता के राजपुत।

(iii) स्वतंत्रता की कीमत पर समझौता करने से इंकार करनेवाली राजपुत जैसे मेवाड़ के उदयसिंह।

अपनी हिन्दु पत्नियों के प्रभाव मे अकबर ने अनेक प्रथाएँ शुरु की तथा माँस के व्यापारियों को अलग मुहल्ले मे बसने का निर्देश दिया।

अकबर ने सती प्रथा को स्वैच्छिक बनाया। अकबर ने लड़कों के लिए विवाह की उम्र 16 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 14 वर्ष निर्धारित किया था।

1605 ई० मे अकबर की मृत्यु हो गई तथा इसे आगरा के निकट सिकन्दरा मे दफनाया गया।

अकबर की राजपुत नीति उसकी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा से प्रेरित था और यह महत्वकांक्षा सुलह-ए-कुल की नीति से प्रभावित था।

Ashish

Scanned with CamScanner

इस नीति में अकबर ने पुरस्कार एवं दमन की नीति का सहारा लिया।
इसमें राजपुत राजाओं के पास अकबर की अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव भेजा जाता था। और अकबर के साथ वैवाहिक संबंध भी स्थापित करने की बात कही जाती थी। इस नीति में वैवाहिक नीति अनिवार्य नहीं था।
अधीनता स्वीकार करने वाला राजा अकबर का मनसब-दार बन जाता था।
अकबर उसका ही राज्य उसी को 'वतन जागीर' के रूप में दे देता था एवं वह राजा पूर्व की तरह ही अकबर के नाम से शासन करता था। लेकिन उसकी सेना अब मुगल सेना की भाग समझी जाती थी।

अकबर की राजपुत नीति सफल रहे और इसके माध्यम से अकबर को राजपुतों का सहयोग एवं समर्थन हासिल हुआ।
शाहजहाँ ने अकबर की राजपुत नीति को उलट दिया तथा राजपुतों के साथ वैवाहिक संबंध को हतोत्साहित किया।

Scanned with CamScanner